



e-ISSN:2582 - 7219



INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH IN SCIENCE, ENGINEERING AND TECHNOLOGY

Volume 4, Issue 12, December 2021



INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA

Impact Factor: 5.928



9710 583 466



9710 583 466



ijmrset@gmail.com



www.ijmrset.com



मानव संबंधों पर सोशल मीडिया का प्रभाव

मनीराम मीना

सहायक आचार्य, समाजशास्त्र, राजकीय महाविद्यालय, करौली, राजस्थान

सार

सोशल मीडिया के जन्म के बाद से, लोग समाज के साथ सामाजिक रूप से बातचीत करने में कम उत्पादक हो गए हैं। सोशल मीडिया वेबसाइट जैसे: फेसबुक, ट्विटर, टम्बलर और इंस्टाग्राम के कारण लोग इन साइटों पर भरोसा कर रहे हैं। लोगों को खुद को सीमित करना याद रखना चाहिए क्योंकि जल्द ही उनकी प्रोफाइल धोखाधड़ी बन सकती है यदि कोई अन्य अपने लाभ के लिए इसका इस्तेमाल करता है। एक और कारण यह हो सकता है कि वे सोशल नेटवर्किंग के आदी हो सकते हैं, कि उनका ऑनलाइन जीवन उनकी काल्पनिक दुनिया है। इसका परिणाम उन्हें "लाइक" एडिक्ट बनने में भी हो सकता है, जो तब होता है जब उन्हें लगातार अपनी स्थिति की जांच करने और यह देखने की आवश्यकता होती है कि उन्हें कितने "लाइक" मिले हैं। सोशल मीडिया लोगों के रवैये को बदल सकता है और इन सोशल नेटवर्किंग साइटों, जिन्हें एसएनएस भी कहा जाता है, से उनके जीवन को जोड़ सकता है। लोगों को यह सीमित करना चाहिए कि वे सोशल नेटवर्किंग में कितना समय बिताते हैं और मानवीय संबंधों को अपनाते हैं।

मीडिया और सिनेमा अध्ययन के सहायक पॉल बूथ के लेख "सोशल मीडिया एंड इंटरपर्सनल कम्युनिकेशन" में बताते हैं, "हम मिलने के बजाय ई-मेल करना पसंद करेंगे; हम फोन पर बात करने के बजाय पाठ संदेश भेजेंगे" पॉल बूथ के पास एक बिंदु है; इस पीढ़ी में तकनीक ने हर किसी के संचार करने के तरीके पर कब्जा कर लिया है। तेजी से संदेश, लोगों को अप टू डेट रखें: ई-मेलिंग, टेक्स्टिंग, ब्लॉगिंग, चैटिंग संदेशों को प्राप्त करने के सबसे तेज़ तरीके हैं, लेकिन वे बहुत कुशल नहीं हो सकते हैं और उनका गलत अर्थ निकाला जा सकता है। कोई घनिष्ठ संबंध नहीं है, और एक दूसरे के साथ पर्याप्त विश्वास नहीं है। बूथ कहता है, "इसलिए जब हम अधिक संचार कर रहे हैं, तो हम जरूरी नहीं कि रिश्तों को मजबूती से बना रहे हों"। यद्यपि इन तकनीकों के साथ एक दूसरे के साथ संचार होता है, इस बात का कोई आश्वासन नहीं है कि संबंध टिकेगा, चूंकि सोशल मीडिया दुनिया को बदल रहा है।

परिचय

इंटरनेट मानवता के हाल के इतिहास में सबसे प्रभावशाली विकासों में से एक रहा है। इसने, टेलीफोन की तरह, हमें अपने नेटवर्क को अतीत में उन लोगों द्वारा कल्पना किए जाने से कहीं अधिक विस्तारित करने की इजाजत दी है। हम दुनिया भर के व्यक्तियों के साथ आसानी से संवाद कर सकते हैं, जब तक कि उनके पास वैसे भी इंटरनेट है। सोशल मीडिया के आगमन ने कई लोगों के जीवन को भी बदल दिया है। सोशल मीडिया ने लोगों को केवल उन लोगों से अधिक के साथ जल्दी और आसानी से संवाद करने की अनुमति दी है, जिनसे वे वास्तविक जीवन में मिले हैं और उनसे दोस्ती करते हैं, अब वे दुनिया भर में किसी से "मिल" सकते हैं और दोस्त बन सकते हैं, कोई ऐसा व्यक्ति जिससे वे कभी नहीं मिले और शायद कभी नहीं मिले। भौतिक संसार। संचार के कई लाभ हैं जो सोशल मीडिया ने हमें दिए हैं, और आने वाले समय में और भी बहुत से निहितार्थ हैं। लेकिन सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव क्या हैं, और क्या वे लाभ की तुलना में अधिक हानिकारक हैं?[1,2]

सोशल मीडिया ने अकेलेपन की भावनाओं का अतिक्रमण करने से निपटने के लिए कई तरह की पेशकश की है, लेकिन क्या इससे रिश्तों की गुणवत्ता भी कम हो गई है? सोशल मीडिया पर सामने रखी गई पहचान बनाने की क्षमता उन सभी कारकों को मिटा सकती है जो रिश्तों को गहरा और मजबूत बनाने का काम करते हैं। लोग यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि उनके जीवन में केवल सबसे अच्छी चीजें ही दूसरों द्वारा देखे जाने के लिए इसे अपने प्रोफाइल पर बनाती हैं, और अक्सर भावनात्मक कमजोरी, असुरक्षा या संघर्ष के संकेतों को छिपाने या कम करने की पूरी कोशिश करती हैं। ये चीजें आम तौर पर लोगों को एक-दूसरे के करीब लाती हैं, लेकिन वे केवल तभी काम करती हैं जब लोग वास्तविक दुनिया में आमने-सामने बातचीत करते हैं, न कि सोशल मीडिया पर जहां लोग चाहते हैं कि उनका जीवन खुशहाल और बहुत अधिक संघर्ष के बिना दिखाई दे। हालांकि, सकारात्मक तरीके भी हैं जिनसे सोशल मीडिया ने रिश्तों को प्रभावित किया है।[3,4]

लोगों को जोड़ने में मदद करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग किया जा सकता है, ताकि वे बेहतर ढंग से संवाद कर सकें। यह वास्तविक दुनिया में घटनाओं की योजना बना सकता है, और यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि अधिक लोग भाग लेने में सक्षम हों, जिससे आत्म-सम्मान और सामान्य मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि हो। सोशल मीडिया उन लोगों को जोड़ने के लिए भी काम कर



सकता है, जिन्होंने अन्यथा कभी बातचीत नहीं की हो, उन मंडलियों को विस्तृत करके जिनके भीतर लोग बातचीत करते हैं, वास्तविक दुनिया में विकसित होने वाले नए रिश्तों को सुविधाजनक बनाने में मदद कर सकते हैं। मॉडरेशन के साथ, सोशल मीडिया किसी के जीवन के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है, जो उनके पहले से मौजूद रिश्तों को समृद्ध करने और नए लोगों के संभावित विकास को सुविधाजनक बनाने में मदद करता है। एक सच्चे सार्थक रिश्ते और पूरी तरह से सोशल मीडिया पर मौजूद रिश्ते के बीच के अंतर को समझना महत्वपूर्ण है।

बहिर्मुखी और अंतर्मुखी दोनों ही सोशल मीडिया के अन्य लाभों का फायदा उठा सकते हैं। एक बहिर्मुखी व्यक्ति अपने दोस्तों के साथ विभिन्न तरीकों से बातचीत करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग एक अन्य माध्यम के रूप में करता है। एक अंतर्मुखी व्यक्ति अपने और दूसरों के बीच बातचीत के अधिक आरामदायक रूप के रूप में सोशल मीडिया का उपयोग कर सकता है, सोशल मीडिया संचार की धीमी गति और अधिक विचारशील मार्ग की अनुमति देता है जहां अंतर्मुखी दूसरों के साथ अपने संचार कौशल में सुधार करने में सक्षम हो सकते हैं। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि ये लोग याद रखें कि सोशल मीडिया संचार का सिर्फ एक रूप है, उन्हें दूसरों के साथ बातचीत करने में अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए लोगों के साथ शारीरिक रूप से भी बातचीत करनी चाहिए।[5,6]

अध्ययनों से पता चला है कि लगभग 7% संचार लिखित या मौखिक शब्दों पर आधारित है और शेष 93% शारीरिक भाषा पर निर्भर है, ऐसा कुछ जिसे आप केवल आमने-सामने बातचीत में ही अनुभव कर सकते हैं। इस वजह से सोशल मीडिया एक मुखौटा के रूप में कार्य कर सकता है, आसानी से छुपा सकता है जो लोग नहीं चाहते कि आप देखें। कोई व्यक्ति जिसे अपने जीवन में समस्या हो रही है, वह अपनी उदासी को छिपाने के लिए अपने संदेशों में स्माइली और इमोटिकॉन्स डाल सकता है और दूसरों को अपने वास्तविक संघर्षों के बारे में समझदार नहीं छोड़ सकता है, जिसका अर्थ है कि वे बिना मदद के चले जाएंगे जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

अवलोकन

बहुत विशिष्ट तकनीकों पर आधारित होने के बावजूद, पुराना सोशल मीडिया आधुनिक सोशल मीडिया की मूल अवधारणा को साझा करता है, जो संचार है। अंतर यह है कि अब से पहले के वर्षों में, सोशल मीडिया को आदिम प्रणालियों का उपयोग करते हुए बड़ी दूरी पर संचार के किसी भी रूप के रूप में परिभाषित किया गया था, जैसे कि पत्र जो 550 ईसा पूर्व के हैं बाद में 1792 में टेलीग्राम का आविष्कार किया गया था, इसने संदेशों को बहुत तेजी से वितरित करने की अनुमति दी। यहां, संचार प्रणालियों का आविष्कार उस विषय पर लोगों की विभिन्न प्रतिक्रियाओं और प्रतिक्रियाओं पर लोगों की बातचीत के बिना समाचार देने के लिए किया गया था। जो कि 2015 और 2016 के आधुनिक वर्षों में सोशल मीडिया की स्थिति के बिल्कुल विपरीत है, जहां जब कोई भी जानकारी ऑनलाइन साझा की जाती है, तो उपयोगकर्ता को पोस्ट की गई जानकारी पर अपने विचारों को अवसर के साथ साझा करने के लिए एक संपूर्ण टिप्पणी अनुभाग प्रदान किया जाता है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों से कई अलग-अलग टिप्पणियों को देखने के लिए। इन भागों में मध्य पूर्वी क्षेत्र और बहरीन जैसे छोटे देश शामिल हैं जो राजनीतिक और सामाजिक कारणों से लेकर संचार और विपणन तक नवीनतम कार्यों और सोशल मीडिया के उपयोग के साथ अप-टू-डेट हैं। इन भागों में मध्य पूर्वी क्षेत्र और बहरीन जैसे छोटे देश शामिल हैं जो राजनीतिक और सामाजिक कारणों से लेकर संचार और विपणन तक नवीनतम कार्यों और सोशल मीडिया के उपयोग के साथ अप-टू-डेट हैं।[7,8]

विचार – विमर्श

1. सोशल नेटवर्किंग ने मानवीय संबंधों को बदल दिया है

आजकल, इंटरनेट एक ही समय में बहुत से लोगों के संपर्क में रहने का सबसे अच्छा तरीका है। सामाजिक नेटवर्किंग ने मानव संबंधों को उनके अस्तित्व के बाद से सबसे अधिक बदल दिया है।

अधिकांश लोग मानते हैं कि Facebook, Tuenty, Google समूह या ट्विटर परिवार, दोस्तों, सहकर्मियों या कभी-कभी, अपने बॉस के साथ दैनिक जानकारी का आदान-प्रदान करने का सबसे अच्छा तरीका है।

अगर हम 20 साल पहले जानते थे कि इंटरनेट ऑनलाइन संदेशों, तस्वीरों या वीडियो का आदान-प्रदान करने के लिए एक विश्वव्यापी नेटवर्क बनाने में सक्षम होगा, तो शायद हमने सोचा होगा कि यह असंभव था। लेकिन अब यह वास्तविक है और हम इसे 24 घंटे कर सकते हैं।[9]



2. मुख्य सोशल नेटवर्किंग साइट्स

आजकल सबसे लोकप्रिय सोशल नेटवर्किंग साइट्स फेसबुक, ट्विटर, गूगल ग्रुप और टुएंटी (युवा लोगों के लिए) हैं।

अब पूरी दुनिया में फेसबुक के एक हजार मिलियन उपयोगकर्ता हैं जबकि ट्विटर के पांच सौ मिलियन अनुयायी हैं।

उन सभी में, उपयोगकर्ता अपनी व्यक्तिगत जानकारी के साथ एक प्रोफाइल बनाते हैं और इसके माध्यम से वे सभी प्रकार के पाठ या मीडिया संदेशों को संप्रेषित कर सकते हैं।

ट्विटर में, लाइन पर अपनी राय देने के लिए आपके पास 140 वर्णों की एक सख्त सीमा है। कभी-कभी आप मास मीडिया की तुलना में ट्विटर पर आखिरी मिनट की खबरें जल्दी पढ़ सकते हैं।[10]

हाल ही में, फेसबुक ने अपने इंटरफेस को एक अन्य प्रारूप में बदल दिया है जिसे जीवनी कहा जाता है। आप अपने जीवन की सभी घटनाओं को तारीख के साथ जोड़ सकते हैं और अपने सभी "साइबर मित्रों" के साथ साझा कर सकते हैं।

3. सोशल नेटवर्किंग के फायदे और नुकसान

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि लोगों के वास्तविक जीवन की तुलना में इंटरनेट पर अधिक दोस्त हो सकते हैं, लेकिन क्या यह अच्छी या बुरी बात है? निर्भर करता है। सोशल नेटवर्किंग संवाद करने का एक अच्छा तरीका है लेकिन यह केवल एक ही नहीं होना चाहिए।

बारह से सत्रह वर्ष की आयु के पचास प्रतिशत युवा प्रतिदिन सोशल नेटवर्किंग का उपयोग करते हैं। वे इंटरनेट के बिना दुनिया में सोचने में सक्षम नहीं होंगे। हालांकि, केवल सोलह प्रतिशत वयस्क ही काम के दौरान सोशल नेटवर्किंग का उपयोग करते हैं।

नुकसान:

यदि आप दिन में अपने कंप्यूटर, आईपैड या मोबाइल फोन पर सोशल नेटवर्किंग का उपयोग करते हैं, तो अपने निजी जीवन को व्यवसाय की दुनिया से अलग रखना या अलग करना बहुत मुश्किल है और यह खतरनाक है क्योंकि यह बहुत तनावपूर्ण हो सकता है।

हम इंटरनेट पर बहुत सारे व्यक्तिगत डेटा साझा करते हैं और यह डेटा कभी गायब नहीं होता है। तो, यह हमारी गोपनीयता को नुकसान पहुंचा सकता है। हम सूचना का नियंत्रण खो सकते हैं।[11]

बीस साल पहले, यदि आप किसी मित्र से बात करना चाहते थे, तो आप उससे मिल सकते थे और लंबी बातचीत कर सकते थे या यदि आप अलग-अलग शहरों में रहते थे तो पत्रों का आदान-प्रदान कर सकते थे। लेकिन अब, फेसबुक पर चैट करना या संदेश भेजना इतना आसान हो गया है कि मानवीय संबंध बदल गए हैं और अधिक अवैयक्तिक हो गए हैं।

घर के अंदर भी चीजें बदल रही हैं। कुछ लोग, अपने साथी, माता-पिता या अन्य रिश्तेदारों से बात करने के बजाय, नाश्ते के दौरान, दोपहर के भोजन के बाद या रात में सोशल नेटवर्किंग का उपयोग करना पसंद करते हैं।[12]

सड़कों पर, लोगों को अपने iPhone या स्मार्टफोन का उपयोग करते हुए, Whats App भेजते हुए या Facebook का उपयोग करते हुए देखना बिल्कुल सामान्य है। आप लोगों को बस स्टॉप पर या भूमिगत पर भी ऐसा करते हुए देख सकते हैं। क्या इसके बजाय किताब पढ़ना बेहतर नहीं होगा?

उदाहरण के लिए, कार्यस्थल पर, कभी-कभी, हम एक कप कॉफी पर बातचीत करने के बजाय अपने सहयोगी को इंटरनेट द्वारा एक निजी संदेश भेजना पसंद करते हैं।

सोशल नेटवर्किंग कभी-कभी खतरनाक होती है क्योंकि लोग अपने प्रोफाइल पर झूठ बोल सकते हैं। वे अपने बारे में जानकारी का उपयोग करते हैं जिसे वे केवल "साइबर मित्रों" की सबसे बड़ी संख्या के लिए साझा करना चाहते हैं।

माता-पिता को अपने बच्चों के साथ यह जानने के लिए बहुत सावधान रहना होगा कि क्या वे अज्ञात लोगों के संपर्क में हैं।[13]



लाभ

लेकिन सोशल नेटवर्किंग के बहुत सारे फायदे भी हैं: संचार आसान है, आप दुनिया भर के लोगों के साथ जानकारी साझा कर सकते हैं और समाचार पत्रों में पढ़ने या टीवी पर इसे देखने से पहले जानकारी प्राप्त करने का यह सबसे अच्छा तरीका है।

हर कोई एक ही समय में ट्विटर पर अपनी राय के साथ भाग ले सकता है।

आप Google पर सभी विषयों की जानकारी खोज सकते हैं।

कुछ लोग पार्टनर खोजने के लिए सोशल नेटवर्किंग का इस्तेमाल करते हैं। प्रोफाइल बनाने और किसी के साथ डेट करने की कोशिश करने या ढेर सारे प्रोफाइल में से चुनने के लिए विशिष्ट वेबसाइटें हैं। इस तरह के प्रोफाइल में लोग बहुत झूठ बोलते हैं लेकिन नए दोस्तों या प्रेमियों से मिलने का यह एक अच्छा तरीका है।[14]

4. भविष्य में सोशल नेटवर्किंग

मुझे सोशल नेटवर्किंग के भविष्य के बारे में आश्चर्य है। सोशल मीडिया की दुनिया में आगे क्या हो रहा है?

भौतिक और डिजिटल दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई होगी। हम 24 घंटे जो कुछ भी करते हैं उसे साझा करने में सक्षम होंगे।

जो कंपनियां सोशल नेटवर्किंग का इस्तेमाल नहीं कर रही हैं वे गायब हो जाएंगी। कंपनी की जानकारी को अपडेट रखने के लिए उन सभी के पास एक वेबसाइट और एक मीडिया मैनेजर होना चाहिए।[15]

मानवीय संबंध अब शारीरिक रूप से निर्भर नहीं होंगे और हम दुनिया भर के लोगों और जीवन के सभी क्षेत्रों, हर जातीयता और हर विश्वास के साथ दोस्ती करेंगे और दुनिया भर में मिलन स्थल का निर्माण करेंगे।

परिणाम

आज के समय में, सोशल मीडिया उन लोगों के साथ संबंध बनाने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिन्हें आप जानते हैं और साथ ही जिन्हें आप नहीं जानते हैं (बाद में वे लोग शामिल हैं जिन्होंने आपके द्वारा वहां रखी गई सामग्री के कारण आपका अनुसरण करना शुरू कर दिया है)। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, लिंकडइन और यहां तक कि व्हाट्सएप की दुनिया दुनिया भर के लोगों से जुड़ने के तरीकों की नींव बदल रही है। यही कारण है कि हमने कुछ प्रकाश डालने के बारे में सोचा कि कैसे सोशल मीडिया हमारे पारस्परिक संबंधों को बदल रहा है और आप इसके बारे में क्या कर सकते हैं।[16]

सोशल मीडिया कई तरह से आपके रिलेशनशिप स्टाइल को बदल देता है। यह आपको बहुत कम समय में अधिक लोगों से जुड़ने की अनुमति देता है। यह अंतरंगता के उस स्तर को आसान बनाता है जिसे आप ऑनलाइन लोगों के साथ साझा कर सकते हैं। यह आपको अन्य लोगों के व्यवहारों, दृष्टिकोणों और विश्वासों के प्रति अधिक संवेदनशील भी बनाता है। सोशल मीडिया आपको अपने सोशल नेटवर्क में दूसरों से तुलना करने के लिए प्रेरित करता है, जिसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव हो सकते हैं।

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, सोशल मीडिया संपर्क बनाने और नए लोगों से मिलने का एक शानदार तरीका है। आप सभी क्षेत्रों के लोगों से मिल सकते हैं जो अन्यथा संभव नहीं होता। इसका मतलब है कि आपके पास पहले की तुलना में कई अधिक विचारों और संसाधनों तक पहुंच है। आप अपने पेशेवर मुद्दों को हल करने के लिए सर्वोत्तम जानकारी प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया का भी उपयोग कर सकते हैं।

जबकि पहले दो पहलू आपके पेशेवर जीवन में निश्चित रूप से सकारात्मक और उपयोगी हैं, लेकिन आपको सोशल मीडिया के नकारात्मक पहलू से भी सावधान रहने की ज़रूरत है। सबसे बड़ी गलतियों में से एक जो आप यहां कर सकते हैं, वह है डिजिटल अंतरंगता को सच्ची अंतरंगता समझना। आप ऑनलाइन कनेक्शन के साथ सहज हो जाते हैं और यह सोचने लगते हैं कि ये रिश्ते वास्तव में जितने हैं, उससे कहीं अधिक गहन और प्रतिबद्ध हैं। आप अंत में उन लोगों के सामने अपनी सभी परतें खोलने का जोखिम उठाते हैं जिनसे आप कभी आमने-सामने नहीं मिले हैं। अपने व्यवसाय या पेशे में, आपको यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत



है कि आप ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफ़लाइन संबंधों के सही संतुलन में निवेश कर रहे हैं। यह आपको व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से सफल होने में मदद करेगा।

यह सोशल मीडिया संबंधों का एक और पहलू है जहां आप भावनात्मक छूत प्रभाव के अधीन हैं। इसका मतलब यह है कि अगर आपके ऑनलाइन सोशल नेटवर्क में कोई शत्रुतापूर्ण, अकेला या क्रोधित है और इसे आप पर लेने का फैसला करता है, तो आप इसे अपने मूड को प्रभावित करने की अधिक संभावना रखते हैं। इसका मतलब यह भी है कि भले ही आप इस व्यक्ति से कभी नहीं मिले हों या उनके साथ ऑफ़लाइन बातचीत नहीं की हो, उनका नकारात्मक व्यवहार आपको प्रभावित कर सकता है।[17]

आपके सोशल मीडिया पर दूसरे कितने सफल हैं, इसके आधार पर सोशल मीडिया आपको आपकी सफलता का अनुमान लगा सकता है। चूंकि लोग अपना जीवन कैसे जी रहे हैं या अपना व्यवसाय कैसे संचालित कर रहे हैं, इस बारे में ऑनलाइन बहुत सारी जानकारी है, यह महसूस करना बहुत आसान हो जाता है कि आप प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते। सोशल मीडिया अंत में आपको एक खास तरह की जीवन शैली का प्रदर्शन करने के लिए दबाव महसूस करवा सकता है। ऐसा महसूस हो सकता है कि आपने अपने ऑनलाइन जीवन के साथ अपने वास्तविक जीवन का व्यापार किया है।

निष्कर्ष

सोशल मीडिया को अकेलेपन, ईर्ष्या, चिंता, अवसाद, संकीर्णता और सामाजिक कौशल में कमी के उच्च स्तर से जोड़ा गया है। एक व्यवहार वैज्ञानिक के रूप में, मुझे आश्चर्य है कि इस विरोधाभास का क्या कारण है? सोशल मीडिया पर हम जो कहानियां साझा करते हैं और उन्हें चित्रित करते हैं, वे सभी सकारात्मक और उत्सवपूर्ण हैं। यह "कीपिंग अप विद द जोन्सिस" का एक संकरित डिजिटल संस्करण है। मतलब कुछ के लिए, कभी-कभी ऐसा लगता है कि हर कोई जिसे आप जानते हैं, अच्छे रिश्तों में हैं, 5-सितारा छुट्टियां ले रहे हैं और अपने सपनों का जीवन जी रहे हैं।

हालाँकि, जो साझा किया जाता है वह केवल हमारे जीवन के सकारात्मक पहलुओं को प्रसारित करता है- हाइलाइट रील।[18]

चूंकि हम केवल लोगों की हाइलाइट रील प्राप्त कर रहे हैं और इसकी तुलना स्वयं से कर रहे हैं, इसलिए हम जो देख रहे हैं उस पर प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। यह रिश्तों, डेटिंग और हमारे प्यार के जीवन को कैसे प्रभावित करता है? मैंने 28-73 आयु वर्ग के पुरुषों और महिलाओं के साथ गहन साक्षात्कार किए, जो सक्रिय सोशल मीडिया उपयोगकर्ता हैं और उन्होंने पाया कि:

सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले 60% लोगों ने बताया कि इससे उनके आत्मसम्मान पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है

50% ने बताया कि सोशल मीडिया का उनके रिश्ते पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है

80% ने बताया कि अपनी सोशल पोस्टिंग के माध्यम से दूसरों को धोखा देना आसान है

विरोधाभास प्रभाव

ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया एक विरोधाभासी प्रभाव पैदा कर रहा है: कई विकल्पों के भ्रम को दूर कर रहा है। व्यवहार्य विकल्पों को खोजना कठिन बनाते हुए। क्या ऐसा हो सकता है कि हमारी अत्यधिक जुड़ी हुई दुनिया अब डिस्कनेक्ट हो गई हो? कुछ के लिए मानव संपर्क पर रात्रिभोज, सेल्फी और खाली तस्वीरें पोस्ट करना बातचीत है। यही उनका इंटरैक्शन है। डेटिंग में विरोधाभास प्रभाव अधिक सामाजिक जुड़ाव, सामाजिक पूंजी और लोकप्रियता होने का भ्रम पैदा कर रहा है, लेकिन किसी के सच्चे व्यक्तित्व को छुपा रहा है। चूंकि कुछ लोग शारीरिक रूप से अधिक डिजिटल रूप से इंटरफेस कर रहे हैं, इसलिए दूसरों को भावनात्मक रूप से हेरफेर करना बहुत आसान है क्योंकि वे उस पर निर्भर हैं जिसे मैं "वैनिटी वैलिडेशन" कहता हूँ। जिसे आप अपने नेटवर्क पर चित्रित करते हैं और जिसे आप सच करते हैं, कुछ के लिए, एक दोहरी चेतना पैदा करता है। सोशल मीडिया पर आपका प्रशंसित स्व लगातार इलेक्ट्रॉनिक पसंद के माध्यम से अधिक मान्यता की मांग कर रहा है, जीवन नहीं।[19]

वैनिटी सत्यापन

सोशल मीडिया ने लोगों के डेटिंग जीवन को कैसे प्रभावित किया है, इस पर अमेरिका में नवीनतम मैच सिंगल्स के अध्ययन के निष्कर्षों में, उन्होंने पाया कि 57% एकल कहते हैं कि सोशल मीडिया ने फियर ऑफ़ मिसिंग आउट (एफओएमओ) उत्पन्न किया है। मेरे अध्ययन में, 50% ने सोशल मीडिया पर खुद की तुलना दूसरों से करने पर FOMO महसूस करने की सूचना दी, जबकि 60% सहस्राब्दी ने FOMO महसूस करने की सूचना दी। क्या हम खुद की तुलना अन्य लोगों की हाइलाइट रीलों से कर रहे हैं? क्या हम एक



झूठी वास्तविकता बना रहे हैं? ऐसा लगता है कि हम केवल उन चीजों को साझा करने के इच्छुक हैं जिन्हें सकारात्मक मजबूती मिलती है। यदि हम केवल हाइलाइट रीलें पर ध्यान केंद्रित करके जी रहे हैं, तो हम अपने जीवन के नकारात्मक पक्ष को कैसे व्यक्त करते हैं?

यदि आप अपनी तुलना किसी और की प्रोफाइल से कर रहे हैं, तो क्या आप स्वयं को छूट नहीं दे रहे हैं? हम अपनी स्ट्रीम पर जो कुछ भी साझा करते हैं, वे ऐसी चीजें हैं जिनके बारे में हम उत्साहित हैं या अपने लिए कुछ लोकप्रियता पैदा कर रहे हैं। क्या हम तालियाँ बजाने वाले हैं कि आप खाते हैं? क्या हमें सराहना करनी चाहिए कि आप बाहर हैं? जब आप बाहर थे तो क्या हमें आपके द्वारा ली गई 100वीं सेफ्री की सराहना करनी चाहिए? क्या हम केवल तत्काल संतुष्टि के लिए लोगों से संबंधित होना सीखना शुरू कर रहे हैं?

क्या यह हमारे डेटिंग व्यवहार को प्रभावित नहीं करेगा? अगर हम केवल "मुझे देखो" प्रसारित करते हैं, तो क्या हम अस्वीकृति, अलगाव और गैर-प्रतिबद्धता के पक्ष से निपटने में सक्षम हैं? क्या आपको आश्चर्य होता है जब लोग आपको उड़ा देते हैं या आपको भूत, बेंच, गैसलाइट या ब्रेडक्रंब पर ले जाते हैं? एक और विरोधाभास। यहां हम सोच रहे हैं कि दुनिया एक सकारात्मक और मजबूत जगह है, कि हम दिलचस्प हैं, हम इतने लोकप्रिय हैं; तब हम भूतिया, ब्रेडक्रंब, बेंचेड हो जाते हैं।[20]

संदर्भ

1. केटुज़मैन, जान एच.; क्रिस्टोफर हर्मकेंस (2011)। "सोशल मीडिया? गंभीर हो जाओ! सोशल मीडिया के कार्यात्मक बिल्डिंग ब्लॉक्स को समझना"। व्यापार क्षितिज (प्रस्तुत पांडुलिपि)। 54 (3): 241-251। डोई : 10.1016/जे.बुशोर.2011.01.005।
2. ओबार्, जोनाथन ए।; वाइल्डमैन, स्टीव (2015)। "सोशल मीडिया डेफिनिशन एंड गवर्नेंस चैलेंज: एन इंटीडक्शन टू द स्पेशल इश्यू"। दूरसंचार नीति। 39 (9): 745-750। डीओआई : 10.1016/जे.टेलपोल.2015.07.014। एसएसआरएन 2647377।
3. ^ टुटेन, ट्रेसी एल.; सोलोमन, माइकल आर। (2018)। सोशल मीडिया मार्केटिंग। लॉस एंजेलिस: सेज। पी। 4. आईएसबीएन 978-1-5264-2387-0.
4. ^ ऐचनेर, टी.; ग्रुनफेल्डर, एम.; मौरर, ओ.; जेगेनी, डी। (2021)। "सोशल मीडिया के पच्चीस साल: 1994 से 2019 तक सोशल मीडिया अनुप्रयोगों और परिभाषाओं की समीक्षा"। साइबरसाइकोलॉजी, व्यवहार और सोशल नेटवर्किंग। 24 (4): 215-222। डोई : 10.1089/साइबर.200.0134। पीएमसी 8064945। पीएमआईडी 33847527।
5. कपलान एंड्रियास एम.; हेनलेन माइकल (2010)। "दुनिया के उपयोगकर्ता, एकजुट! सोशल मीडिया की चुनौतियां और अवसर" (पीडीएफ)। व्यापार क्षितिज। 53 (1): 61. डोई : 10.1016/जे.बुशोर.2009.09.003। से संग्रहीत मूल (पीडीएफ) 2011-11-24 पर। 2016-12-07 को लिया गया।
6. बॉयड, दानाह एम।; एलिसन, निकोल बी। (2007)। "सोशल नेटवर्क साइट्स: परिभाषा, इतिहास, और छात्रवृत्ति"। कंप्यूटर-मध्यस्थ संचार का जर्नल। 13 (1): 210-30। डीओआई : 10.1111/जे.1083-6101.2007.00393 . x।
7. ^ ओ'कीफ़े, रवेन शूरगिन; क्लार्क-पियर्सन, कैथलीन; मीडिया, संचार परिषद और (1 अप्रैल, 2011)। "बच्चों, किशोरों और परिवारों पर सोशल मीडिया का प्रभाव"। बाल रोग। 127 (4): 800-804. डीओआई : 10.1542/पेड्स.2011-0054। आईएसएसएन 0031-4005। पीएमआईडी 21444588।
8. ^ डेनिस, एमी (5 जुलाई, 2017)। "दुनिया पर राज करने वाले 5 सोशल मीडिया आउटलेट्स"। नाइस ब्रांडिंग एजेंसी। 10 अक्टूबर 2021 को लिया गया।
9. ^ अगिचटिन, यूजीन; कार्लोस कैस्टिलो। डेबोरा डोनाटो; एरिस्टाइड्स गियोनिस; गिलाद मिश्रे (2008)। "सोशल मीडिया में उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री ढूँढना" (पीडीएफ)। WISDOM - वेब सर्च और डेटा माइनिंग पर 2008 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही : 183-193।
10. ^ ज़ियाओहुई ताओ; वेई हुआंग; जियांगमिंग म्यू; होरान झी (18 नवंबर 2016)। "वेब सोशल मीडिया के ज्ञान प्रबंधन पर विशेष मुद्दा"। वेब इंटेलेजेंस। 14 (4): 273-274। doi : 10.3233/WEB-160343 - लिंगन विद्वानों के माध्यम से।
11. ^ पावलिक और मैकिन्टोच, जॉन और शॉन (2015)। कन्वर्जिंग मीडिया चौथा संस्करण। न्यूयॉर्क, एनवाई: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस। पी। 189. आईएसबीएन 978-0-19-934230-3.
12. ^ स्टेसी, क्रिस्टोफर सी. (7 सितंबर, 1982)। "एआई लैब में कंप्यूटिंग शुरू करना" (पीडीएफ)। एमआईटी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लेबोरेटरी। 2019-03-23 को मूल से संग्रहीत (पीडीएफ)।
13. ^ सेर्फ़, विटन; दलाल, योगेन; सनशाइन, कार्ल (दिसंबर 1974), RFC 675, इंटरनेट ट्रांसमिशन कंट्रोल प्रोटोकॉल की विशिष्टता
14. ^ बेंज एडवर्ड्स (4 नवंबर, 2016)। "द लॉस्ट सिविलाइज़ेशन ऑफ़ डायल-अप बुलेटिन बोर्ड सिस्टम्स"। अटलांटिक। ऑनलाइन। 2018-02-05 को लिया गया।
15. "सीएमओएस सेंसर फोन कैमरा, एचडी वीडियो सक्षम करें"। नासा स्पिनऑफ़। नासा। 6 नवंबर 2019 को लिया गया।



16. फॉसम, एरिक आर. (12 जुलाई 1993)। ब्लोके, मॉर्ले एम. (सं.). "सक्रिय पिक्सेल सेंसर: क्या सीसीडी डायनासोर हैं?"। एसपीआई कार्यवाही वॉल्यूम। 1900: चार्ज-कपल्ड डिवाइसेस और सॉलिड स्टेट ऑप्टिकल सेंसर III। प्रकाशिकी और फोटोनिक्स के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी। 1900 : 2-14. बिबकोड : 1993SPIE.1900 2F। साइटसीरएक्स 10.1.1.408.6558। डोई : 10.1117/12.148585। एस 2 सीआईडी 10556755।
17. ^ मात्सुमोतो, काजुया; और अन्य। (1985)। "एक नया एमओएस फोटोट्रांसिस्टर एक गैर-विनाशकारी रीडआउट मोड में काम कर रहा है"। एप्लाइड फिजिक्स के जापानी जर्नल। 24 (5ए): एल323. बिबकोड : 1985JaJAP..24L.323M। डोई : 10.1143/जेजेएपी.24.एल323।
18. ^ फॉसम, एरिक आर. ; होंडोंगावा, डीबी (2014)। "सीसीडी और सीएमओएस इमेज सेंसर के लिए पिन किए गए फोटोडायोड की समीक्षा"। इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज सोसायटी का आईईईई जर्नल। 2 (3): 33-43। डोई : 10.1109/जेईडीएस.2014.2306412।
19. "जेपीईजी क्या है? अदृश्य वस्तु जिसे आप हर दिन देखते हैं"। अटलांटिक। 24 सितंबर 2013। 13 सितंबर 2019 को लिया गया।
20. स्टीफन, ब्रुगेमैन (2012)। सहयोग और शब्दार्थ वेब: सामाजिक नेटवर्क, ज्ञान नेटवर्क और ज्ञान संसाधन: सामाजिक नेटवर्क, ज्ञान नेटवर्क और ज्ञान संसाधन। आईजीआई ग्लोबल। पीपी. 104-5. आईएसबीएन 978-1-4666-0895-5.



INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor
Impact Factor:
5.928

ISSN

INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA



INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH IN SCIENCE, ENGINEERING AND TECHNOLOGY



9710 583 466



9710 583 466



ijmrset@gmail.com

www.ijmrset.com